

1.78 लाख PVTG नामांकति

चर्चा में क्यों

हाल ही में [भारत के नरिवाचन आयोग](#) ने झारखंड में समावेशी, सहभागितापूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिये महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिसमें [वशिष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूहों \(Particularly Vulnerable Tribal Groups- PVTG\)](#) के नामांकन पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

मुख्य बटु:

PVTG का 100% नामांकन: आठ PVTG के 1.78 लाख मतदाताओं को मतदाता सूची में पूर्ण रूप से नामांकित किया गया है।

मतदाता सूची के आँकडे: कुल 2.59 करोड़ मतदाता पंजीकृत हैं, जनिमें 1.28 करोड़ महिला मतदाता और 11.05 लाख से अधिक पहली बार मतदाता (18-19 वर्ष) शामिल हैं।

वशिष संकषपित पुनरीक्षण (Special Summary Revision- SSR): राज्य के लिये दूसरा SSR पूरा हो गया और मतदाता सूची 27 अगस्त, 2024 को प्रकाशित की गई।

नरिवाचन आयोग का नरिदेश: धन-बल के प्रयोग के प्रतिशून्य सहनशीलता पर ज़ोर, जैसा कि प्रवर्तन एजेंसियों, राजनीतिक दलों और सुरक्षा बलों के साथ बैठकों के दौरान बताया गया।

वशिष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूह (PVTGs)

- भारत में जनजातीय आबादी कुल जनसंख्या का 8.6% है।
- जनजातीय समूहों में PVTG अधिक असुरक्षित हैं। इस कारक के कारण, अधिक वकिसति और मुखर जनजातीय समूह जनजातीय विकास नधिकि एक बड़ा भाग आहरति कर लेते हैं, जिसके कारण PVTG को अपने विकास के लिये अधिक नधिकि आवश्यकता होती है।
- वर्ष 1973 में [डेबर आयोग](#) ने आदमि जनजातीय समूहों (Primitive Tribal Groups- PTG) को एक अलग श्रेणी के रूप में वर्गीकृत किया, जो जनजातीय समूहों में कम वकिसति हैं। वर्ष 2006 में भारत सरकार ने PTG का नाम बदलकर PVTG कर दिया।
- इस संदर्भ में, वर्ष 1975 में भारत सरकार ने सबसे कमज़ोर जनजातीय समूहों को PVTG नामक एक अलग श्रेणी के रूप में पहचानने की पहल की और 52 ऐसे समूहों की घोषणा की, जबकि वर्ष 1993 में अतिरिक्त 23 समूहों को इस श्रेणी में जोड़ा गया, जिससे कुल 705 अनुसूचित जनजातियों में से PVTG की संख्या 75 हो गई।
- PVTG की कुछ बुनियादी वशिषताएँ हैं, जैसे कि अधिकंशतः समरूप होते हैं, उनकी जनसंख्या कम है, वे अपेक्षाकृत भौतिक रूप से पृथक हैं, लिखित भाषा का अभाव होता है, प्रौद्योगिकी अपेक्षाकृत सरल है तथा परिवर्तन की दर धीमी होती है आदि।
- सूचीबद्ध 75 PVTG में सबसे अधिक संख्या ओडिशा में पाई जाती है।